REET 2025 LEVEL-1 & 2

वंदन बैच

हिंदी

उपसर्ग- प्रत्यय

LIVE 03-02-2025 11:00 AM

उपसर्ग (शब्दांश)

उप + सर्ग = किसी शब्द के समीप आकर नया शब्द बनाना

↓ समीप

↳ सृष्टि करना

↳ शब्द के आदि में

↳ आरम्भ में

↳ आगे

परिभाषा - जो शब्दांश किसी शब्द के पहले जुड़कर उसके अर्थ में परिवर्तन कर देता है। उसे उपसर्ग कहते हैं।

प्र + हार - हारना

प्रहार - चोट पहुँचाना

संस्कृत के उपसर्ग -

* अधि = अधिनायक, अधिकार, अधिकृत, अध्यक्ष, अध्यादेश
* अति = अत्यधिक, अतिशय, अत्यन्त, अत्याचार, अतिसुन्दर, अत्युत्तम
* अनु = अनुरूप, अन्वेक्षण, अनुसार, अनुचर, अनुच्छेद, अनुकरण
* अप = अपहरण, अपव्यय, अपशब्द, अपमान, अपशकुन, अपवाद
* अभि = अभ्युदय, अभ्यास, अभिमान, अभिभावक, अभिनव, अभिनेता
* अव = अवतार, अवकाश, अवशेष, अवगुण, अवतरण, अवनति
* आ = आहार, आभार, आमोद, आक्रमण, आरक्षण, आगमन
* उत् = उत्थान, उन्नति, उन्नयन, उज्ज्वल, उत्कर्ष, उत्तम
* उप = उपाधि, उपेक्षा, उपदेश, उपहार, उपवन

* दुर् = दुर्दशा, दुर्जन, दुर्गम, दुरवस्था
* निर् = निर्धन, निरापराध, निर्जन, निर्गुण
* परा = परावर्तन, पराजय, पराकाष्ठा, पराक्रम, परामर्श
* नि = न्यून, न्याय, न्यास, निषेध, निकाय
* प्र = प्रबल, प्रहार, प्रभाव, प्रकृति, प्रवेश, प्रचार, प्रमाण, प्रसाद
* प्रति = प्रत्येक, प्रतिफल, प्रतिक्षण, प्रतिध्वनि, प्रतिकूल, प्रतिशत
* सम् = संस्कार, संतुष्ट, संसार, संकल्प, संशय
* सु = स्वागत, सुगन्ध, सुपुत्र, सुशिक्षित, सुयोग

नि + ऊन (यण्)
इ + ऊ = यू

हिन्दी उपसर्ग

* अ = अथाह , अभाव, अद्भुता , अटल
* अन = अनमोल , अनपढ़ , अनबन , अनदेखा, अनजान
* कु = कुचाल , कुकर्म , कुयोग , कुमार्ग, कुपुत्र
* दु = दुलारा , दुगुना, दुरंगा , दुसाध्य
* नि = निडर , निहाल , निकम्मा , निगोड़ा
* औ = औरस , औगुन , औसान
* सु = सुडौल , सुजान , सुफल
* भर = भरसक , भरपेट , भरमार
* अध = अधमरा , अधकच्चा , अधपका , अधखिला
* उन = उनतीस , उन्नीस , उनसठ , उनहत्तर

उर्दू - फारसी उपसर्ग -

* कम = कमबख़्त, कमअक़्ल, कमज़ोर
* खुश = खुशदिल, खुशकिस्मत, खुशनसीब, खुशहाल
* ना = नापाक, नामुमकिन, नापसन्द
* गैर = गैरहाजिर, गैरमुल्क, गैरकानूनी
* ब = बदौलत, बगैर, बदस्तूर
* बद = बदनाम, बदमाश, बदकिस्मत
* बा = बाअदब, बाकायदा, बाइज्जत
* ला = लाचार, लावारिस, लाजवाब, लापरवाह
* सर = सरताज, सरकार, सरपंच, सरहद
* हम = हमसफर, हमजोली, हमदर्द, हमराह

प्रत्यय

प्र + साथ में चलने वाला पर बाद में

परिभाषा ⇒ जो शब्दांश शब्दों के अन्त में जुड़कर उनके अर्थ में विशेषता ला देते हैं। उन्हें प्रत्यय कहते हैं।

प्रत्यय दो प्रकार के होते हैं।

① कृत प्रत्यय – क्रिया पद के अन्त में जुड़ता है।

② तद्धित प्रत्यय – संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण शब्दों के अन्त में जुड़ता है।

कृदंत प्रत्यय -

* अना = वेदना, धरना, तुलना, चलना
* अनीय = दर्शनीय, माननीय, पूजनीय, रमणीय
* आई = सिलाई, लड़ाई, कढ़ाई, चढ़ाई
* आन = मिलान, उड़ान
* इया = ढलिया, धरिया, बढ़िया
* इत = फलित, व्यथित, पुष्पित, पक्ति
* इयल = सड़ियल, मरियल, अड़ियल
* ई = हँसी, बोली, गाली
* वाला = पढ़नेवाला, लिखनेवाला, चलनेवाला
* हार = होनहार, रखवार

* तद्धित प्रत्यय -

* आइन = पण्डिताइन, ठकुराइन
* आनी = सेठानी, नौकरानी, मथानी
* आयत = अपनायत, बहुतायत, पंचायत
* आहट = चिकनाहट, कड़वाहट
* ईन = ग्रामीण, कुलीन
* हरा = दुहरा, सुनहरा
* हारा = पनिहारा, लकड़हारा